राजनीतिक सिद्धांत Notes Chapter 10 Class 11 Rajnitik Siddhant विकास UP Board

विकास से अभिप्रायः–

– संकुचित रूप में इसका प्रयोग प्रायः आर्थिक विकास की दर में वृद्धि और समाज का आधुनिकीरण के संदर्भ में किया जाता है।

– व्यापकतम अर्थ में विकास उन्नति, प्रगति, कल्याण और बेहतर जीवन की अभिलाषा के विचारों का वाहक है। इसमे आर्थिक उन्नति के साथ–साथ जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि को भी शामिल किया जाता है

– सतत विकास की अवधारण के तहत आगामी पीढ़ियों की आवश्यकताओं व संसाधानों के साथ बिना समझौता किए वर्तमान पीढ़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने से है।

– विकास की दृष्टि से विश्व को तीन श्रेणियों–विकसित देश, विकासशील देश व अल्प विकसित देश।

विकास का प्रचलित मॉडलः–

– अविकसित या विकासशील देशों ने पश्चिमी यूरोप के अमीर देशों और अमेरिका से तुलना करने के लिए औद्योगीकरण , कृषि और शिक्षा के आधुनीकीकरण एवं विस्तार के जरिए तेज आर्थिक उन्नति का लक्ष्य निर्धारित किया और यह सिर्फ राज्य सत्ता के माध्यम से ही संभव है।

– अनेक विकासशील देशों (जिसमें भारत भी एक था) ने विकसित देशों की मदद से अनेक महत्वकांक्षी योजनाओं का सूत्रपात किया।

– विभिन्न हिस्सों में इस्पात संयंत्रों की स्थापना, खनन, उर्वरक उत्पादन और कृषि तकनीकों में सुधार जैसी अनेक वृहत्त परियोजनाओं के माध्यम से देश की संपदा में बढोतरी करना व आर्थिक विकास की प्रक्रिया को तेज करना था।

– इस मॉडल से विकास के लिए उर्जा का अधिकाधिक उपयोग होता है जिससे इसकी कीमत समाज और पर्यावरण दोनों को चुकानी पड़ती है।

https://www.evidyarthi.in

विकास मॉडल की आलोचना, समाज और पर्यावरण द्वारा चुकाई गई कीमत

– विकासशील देशों के लिए काफी मंहगा साबित हुआ। इसमे वित्तीय लागत बहुत अधिक रही जिससे वह दीर्घकालीन कर्ज से दब गए।

– बांधों के निर्माण, औद्योगिक गातिविधियों और खनन कार्यों की वजह से बड़ी संख्या में लोगों का उनके घरों और क्षेत्रों से विस्थापन हुआ।

– विस्थापन से परंपरागत कौशल नष्ट हो गए। उनकी संस्कृति का भी विनाश हुआ क्योंकि विस्थापन से दरिद्रता के साथ–साथ लोगों की सामुदायिक जीवन पद्धति खो जाती है।

– विशाल भू–भाग बड़ें बांधों के कारण डूब जाते है जिससे पारिस्थिति का संतुलन बिगड़ता है।

– उर्जा के उत्तरोतर बढ़ते उपयोग से पर्यावरण को नुकसान होता है क्योंकि इससे ग्रीन हाग्स गैसों का उत्सर्जन होता है।

– वायुमण्डल में गीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन की वजह से आर्कटिक और अंटार्कटिक ध्रुवों पर बर्फ पिघल रही है। परिणामस्वरूप बांग्लादेश एवं मालदीव जैसे निम्न भूमि वाले क्षेत्रों को डुबो देने में सक्षम हैं।

– विकास का फायदा विकासशील देशों में निम्नतर वर्ग तक नहीं पहुंचा इस कारण से समाज मे आर्थिक असमानता और बढ़ गई है। सर्वाधिक निर्धन एवं वंचित तबको के जीवन स्तर में सुधार नही आया।

विकास की वैकल्पिक अवधारणः–

– लोकतांत्रिक सहभागिता के आधार पर विकास की रणनीतियों में स्थानीय निर्णयकारी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना।

– 'ऊपर से नीचे' की रणनीति को त्यागते हुए विकास की प्राथमिकताओं, रणनितियों के चयन व परियोजनाओ के वास्तविक कार्यान्वयन में स्थानीय लोगों के अनुभवों को महत्व देना तथा उनके शान का उपयोग करने के लिए उनकी भागदारी को बढ़ावा।

– न्यायपूर्ण और सतत्विकास की अवधारणा को महतव देना।

– प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित व संरक्षित रखने के प्रयास किए जाने चाहिए।

– हमें अपनी जीवन शैली को बदलकर उन साधनों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए जिनका नवीनीकरण नहीं हो सकता।

https://www.evidyarthi.in

– विकास की महंगी, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली और प्रौद्योगिकी से संचालित सोच से दूर होने की कोशिश करता है।

मानव विकास सूचकांक और भारत की स्थितिः–

– मानव विकास को मापने का एक तरीका है 'मानव विकास प्रतिवेदन' जिसे संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) वार्षिक तौर पर प्रकाशित करता है। इस प्रतिवदेन में साक्षरता और शैक्षिक स्तर, आयु, संभाविता और मातृ–मृत्यु दर जैसे विभिन्न सामाजिक संकेतकों के आधार पर देशों का दर्जा निर्धारित किया जाता है।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

प्रश्नावली

एक अंकीय प्रश्नः—

1. विकास से क्या तात्पर्य है?
2. विकास की प्रचालित अवधारणा किस नियम पर आधरित है?
3. विकास का उद्देश्य क्या है?
4. विकास के प्रमुख प्रतिरूप कौन—से है?
5. अखण्ड विकास की संकल्पना क्या है?
6. लोक कल्याण राज्य से आप क्या समझते है?
7. आज विश्व विकास के किस मॉडल का अनुसरण कर रहा है?
8. बड़ी परियोजनाओं के परिणामस्वरूप मुख्य रूप से किस वर्ग के लोग विस्थापित होते है?
9. वृहत परियोजनाओं के विरूद्ध चलाए गए किसी एक आंदोलन का नाम बताइए।
10. UNDP का पूर्ण रूप लिखिए।
11. विकास के परिणामस्वरूप पर्यावरण को हुए एक नुकसान का उल्लेख कीजिए।
12. बाजार अर्थव्यवस्था का प्रतिरूप क्या है?

दो अंकीय प्रश्नः—

1. विकास की वह कीमत जो समाज को चुकानी पड़ी है — स्पष्ट करें।
2. अविकसित देशों के निवासियों को जीवन स्तर किस प्रकार का होता है?
3. 1950 के दशक में भारत में पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत किस प्रकार की परियोजनाएं बनाई?
4. 'मानव विकास प्रतिवदेन' क्या है?
5. विकास की 'ऊपर से नीचे' की रणनीति के महत्वपूर्ण क्या रहे है?
6. विकास का मॉडल विकासशील देशों ने अपनाया उसकी आलोचना किस आधार पर की जाती है?
7. विकास को मापने के वैकल्कि तरीके की धारणा का संक्षेप में स्पष्ट करें?
8. विकास की विकेन्दीकृत पद्धति क्या है?

https://www.evidyarthi.in

चार अंकीय प्रश्नः—

1. 'टिकाऊ विकास' की अवधारणा क्या है?
2. विकास की प्रक्रिया ने किन नए अधिकारों के दावों को जन्म दिया है?
3. सरदार सरोवर परियोजना के तहत बनने वाले बांधों के समर्थकों का क्या दावा है?

पांच अंकीय प्रश्नः—

1.

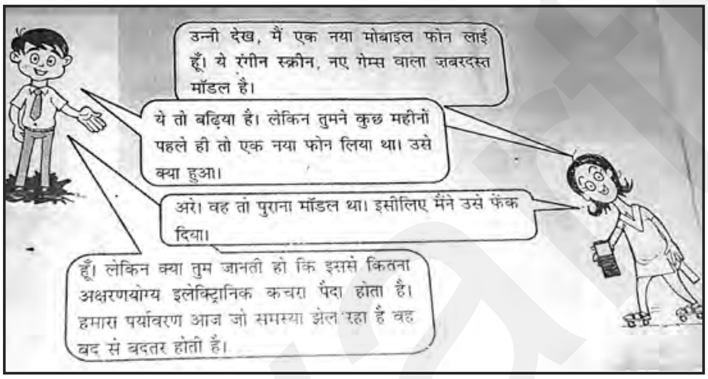

दिए गए चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

क) विकास का मापन किस आधार पर किया जाना चाहिए?

ख) विकासशील देशें की समस्याएं क्या है?

ग) इलेक्ट्रानिक कचरे के अतिरिक्त किन कारणों से पर्यावरण को हानि होती है?

छः अंकीय प्रश्नः—

1. सतत् विकास किसे कहते हैं? व्याख्या करें।
2. विकास के समाज पर पड़ने वाले कुप्रभावों का वर्णन करें।
3. मानव विकास सूचकांक और भारत की स्थिति का वर्णन करें।

https://www.evidyarthi.in

उत्तरमाला

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. उन्नति, प्रगति, कल्याण और बेहतर जीवन की अभिलाषा।
2. यह अवधारणा 'उपर ने नीचे' के नियम पर आधारित है और इसमें यह आशा थी कि समाज में लाभ ऊपर से नीचे की और रिस–रिस कर समाज के सबसे निर्धन और वंचित वर्गों पर पहुंचेगा परंतु व्यवहार में ऐसा नहीं हुआ।
3. अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भरता लाना तथा रोजगार में वृद्धि करना।
4. (i) बाजार अर्थव्यवस्था के प्रतिरूप।
   (ii) कल्याणकारी राज्य प्रतिरूप।
   (iii) विकास समाजवादी प्रतिरूप।
   (iv) विकास का गांधीवादी प्रतिरूप।
5. वर्तमानी पीढ़ी के दावे का भविष्य की पीढ़ी के दावें के साथ संतुलन बना रहे। इसे अखण्ड विकास भी कहा गया है।
6. कल्याणकारी राज्य मात्र कर एकत्रित करने वाली संस्था न होकर सामाजिक सेवा प्रदान करने वाली संस्था होती है। जी.डी.एच.कोल के अनुसार, कल्याणकारी राज्य प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम जीवन–स्तर और समान अवसर प्रदान करता है।
7. बाजार अर्थव्यवस्था का मॉडल।
8. जनजाति व दलित समुदायों के लोग विस्थापित होते है।
9. नर्मदा बचाओ आंदोलन, जो सरदार सरोवर परियोजना के विरूद्ध चलाया गया।
10. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
11. वायुमंडल में ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन के कारण आर्कटिक और अंटार्कटिक ध्रुवों पर बर्फ का पिघलना।
12. बाजार अर्थव्यवस्था का प्रतिरूप पूंजीवाद, स्वतंत्रता, खुली प्रतियोगिता और मुक्त बाजार पर आधारित है।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए जिससे उनको आजीविका के साधन खोने पड़े है और उनके सांस्कृति को विनाश हुआ है क्योंकि नई जगहों पर जाने के कारण लोग अपनी पूरी सामुदायिक जीवन पद्धति खो बैठते है।

https://www.evidyarthi.in

2. इनका जीवनस्तर निम्नस्तर का होता है क्योंकि इनको शिक्षा, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं कम प्राप्त होती है।

3. भारत ने भाखड़ा नांगल बांध देश के विभिन्न भागों में इस्पात संयंत्रों की स्थापना, खनन, उर्वरक उत्पादन और कृषि तकनीकों में सुधार जैसी वृहत परियोजनाएं बनाई।

4. 'मानव विकास प्रतिवेदन' संयुक्त राष्ट्रसंघ विकास कार्यक्रम द्वारा विकास को मापने का एक नया तरीका है। इसमें साक्षरता और शैक्षिक स्तर, आयु संभाविता और मातृ–मृत्यु दर जैसे विभिन्न सामाजिक संकेतकों के आधार पर देशों का दर्जा निर्धारित किया जाता है।

5. (i) यह रणनीति अत्याधिक महंगी साबित हुई इसकी वित्तीय लागत बहुत अधिक होने के कारण विकासशील देशों को विकसित देशों से आर्थिक सहायता और कर्ज लेना पड़ा।

   (ii) काफी अधिक संख्या में लोगों के उनके घरों और क्षेत्रों से विस्थापित होना पड़ा। सांस्कृति और अजीविका की हानि हुई।

6. विकास की संकीर्ण अर्थों में परिभाषा आर्थिक विकास की दर में वृद्धि और समाज का आधुनिकीकरण के संदर्भ में की जाती है। इसे पहले से निर्धारित लक्ष्यों या बांध, उद्योग व अस्पताल जैसी परियोजनाओं को पूरा करने से जोड़कर देखा जाता हैं। जिससे समाज के कुछ हिस्से ही लाभान्वित हो पाते है।

7. (i) विकास का टिकाऊ होना।

   (ii) लोकतांत्रिक मॉडल पर विकास।

   (iii) पर्यावरण कम से कम हानि हो।

8. विकास की विकेंद्रीकृत पद्धति में स्थानीय विकास योजनाओं के बारे में निर्णय स्थानीय निर्णयकारी संस्थाओं को लेना देना है। इस पद्धति से परंपरागत और आधुनिक स्त्रोतों से मिलने वाली तमाम तरह की तकनीकों के रचनात्मक ढंग से इस्तेमाल को संभव बनाती है।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तरः–

1. विकास की ऐसी रणनिती जिसमें पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग मितव्ययता के साथ किया जाये और उन्हें संरक्षित रखा जाए।

2. (i) व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनसे परामर्श का अधिकार।

   (ii) आजीविका का अधिकार।

   (iii) नैसर्गिक संसाधनों का अधिकार

https://www.evidyarthi.in

3. समर्थकों का दावा है कि इससे बिजली पैदा होगी, काफी बड़े इलाकों मे जमीन की सिंचाई में मदद मिलेगी और सौराष्ट्र व कच्छ के रेगिस्तानी इलाकों को पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा।

पाँच अंकीय प्रश्नों के उत्तरः—

1. (i) प्रति व्यक्ति आय
   (ii) राष्ट्र का विकास
2. (i) जनसंख्या
   (ii) बेरोज़गारी
   (iii) गरीबी
   (iv) अशिक्षा आदि
3. (i) ध्वनि, प्रदूषण
   (ii) पेड़ों का काटा जाना
   (iii) प्रदूषित जल
   (iv) उद्योगों के अवशिष्ट अन्य

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तरः—

1. स्थायी विकास के लिए पर्यावरण तंत्र और औद्योगिक तंत्र के मध्य सही तालमेल तथा संयोजन की आवश्यकता है। विकास के नाम पर औद्योगिकरण द्वारा पर्यावरण को दूषित किया गया है। विकास के लिए आर्थिक रूप और नीतियों का निर्धारण होना चाहिए। मनुष्य के लिए पर्यावरण प्रदूषण को रोकते हुए विकास के कार्यक्रम किए जाने चाहिए। अधिक प्रभावी तथा शक्तिशाली देशों में जीवनशैली के साथ—साथ जीव—जन्तु और मानव को पर्यावरण प्रदूषण से बचाए रखने का प्रमाण होना चाहिए। पर्यावरण को विकास नीतियों के साथ प्रबंध के स्तर पर जोड़ दिया जाना चाहिए। वास्तव में पर्यावरण और विकास नीति एक दूसरे के पूरक हैं। स्थायी विकास तभी संभव है।
2. सामाजिक दुष्परिणाम
   (i) विकासशील देशों की प्रभुसत्ता पर प्रभाव
   (ii) विस्थापीकरण
   (iii) बेरोज़गारी, गरीबी में वृद्धि
   (iv) जनसंख्या के संतुलित वितरण का अभाव
   (v) आर्थिक असमानता
   (vi) संघर्षों व आन्दोलनों का जन्म
3. छात्र स्वयं शिक्षण सामग्री से करें।

https://www.evidyarthi.in